आभारिका

''उत्तर प्रदेश में बाल श्रम समस्या के विभिन्न आर्थिक आयाम (1950–2000 तक)'' शीर्षक पर प्रस्तुत शोध कार्य मेरा अपना ही प्रयास नहीं वरन् कुछ विद्धान व्यक्तियों की अनुकम्पा का फल है, जिनके माध्यम से मुझे अपने शोध कार्य में पर्याप्त सहायता एवं निर्देशन प्राप्त हुआ है।

मैं सर्वप्रथम अपने शोध निर्देशक आदरणीय डा0 किशन कुमार श्रीवास्तव के प्रति कृतज्ञता के व्यक्त करती हूँ जिन्होने बड़े ही धैर्य व लगन के साथ मेरी भूलों को माफ करते हुए मेरा मार्गदर्शन किया।

मैं विशेष रूप से आरदणी **डा0 देवेन्द्र कुमार अवस्थी** रीडर अर्थशास्त्र विभाग, वी0एस0एस0डी0 कालेज, कानपुर, **डा0 ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव** प्रवक्ता अर्थशास्त्र, **डा0 आर0के0 दीक्षित** रीडर अर्थशास्त्र विभाग पी0पी0एन0 कालेज कानपुर, **डा0 स्वामी प्रसाद** विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग राजकीय स्ना0 महाविद्यालय हमीरपुर, **श्री महेन्द्र सिंह सचान, श्री विजय राजपूत** आदि सभी महानुभावों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ। आप सभी ने अपना स्नेहाशीष प्रदान करते हुए मेरे शोध कार्य को गरूता प्रदान की है।

अन्त में मैं अपने देवरूपी पति **श्री दिनेश सिंह सचान** तथा अन्य सभी परिवारीजन एवं मित्रों को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहती हूँ जिन्होनें समय–समय पर मेरा उत्साहवर्धन किया तथा उपयुक्त सहायता प्रदान की। मैं बाल श्रम विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी आभार प्रकट करती हूँ। जिन्होने शोध सामग्री को एकत्रित करने में पर्याप्त सहायता प्रदान की है। इसके अतिरिक्त मैं उन सभी बाल श्रमिकों एवं उनके अभिभावकों का भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होने अध्ययन के दौरान सूचनायें एकत्रित करने में मुझे सहयोग प्रदान किया।